

पृथ्वी का महत्त्व क्या है : नई तालीम

जब मैंने यूँही पूछा कि क्या होगा अगर इस साल बारिश नहीं हो? तो एक बच्चे ने खीजकर जवाब दिया, "क्यों नहीं होगी बारिश? फिर पक्षियों का क्या होगा?" मैं सेवाग्राम स्थित आनन्द निकेतन स्कूल की छटवीं कक्षा में पढ़ने वाले बच्चों के साथ बैठा था। सामने ज़मीन का एक टुकड़ा था जिसमें बच्चों ने भिण्डी और बैंगन बोए थे। हल्की-सी सिंचाई कर बच्चों ने अपने खेत की निराई-गुड़ाई कर दी थी। बस अब बारिश का इन्तज़ार था। जुलाई का आख़िरी हफ़्ता आ चुका था मगर आसमान में कहीं काले बादल नहीं दिख रहे थे। गर्मी का मौसम दो महीनों से कहीं अधिक खिंच चुका था। नीम के पेड़ की पत्तियाँ भी सूखने लगीं थीं।

नई तालीम के पाठ्यक्रम के हिसाब से बच्चों ने खेतीबाड़ी का कार्य शुरू कर दिया था। हम खेतीबाड़ी के कामों से गणित, विज्ञान, सामाजिक अध्ययन और भाषा की अवधारणाओं को जोड़ते थे, लेकिन यह महज़ पढ़ाई नहीं रह जाती। ज़मीन, पक्षियों, कीड़े-मकौड़े और मौसम के साथ बच्चों का गहरा जुड़ाव बनने लगता है। बच्चों के लिए पहली बारिश का मतलब सिर्फ़ कीचड़ में खेलना नहीं रह जाता — हालाँकि यह भी एक महत्त्वपूर्ण अनुभव है। ज़मीन की प्यास बुझना, पत्तियों के रंग गहराना, पँछियों का नहाना और किसान की जान-में-जान आना — बच्चे इन्हें भी महसूस करते हैं। ये उनके जीवन्त अनुभव हैं। प्रकाश संश्लेषण, परागण, वाष्पोत्सर्जन, पौधों की संरचना, यह सभी दिमाग में एयर-टाइट डिब्बों की सुघड़ व्यवस्था नहीं हैं। ये अवधारणाओं को अनुभव करने की प्रक्रिया है, जो अकेले नहीं बल्कि सजीवों और निर्जीवों के साथ विकसित होती रहती है। यह गणित में घुलती है, सामाजिक अध्ययन से जुड़ती है, भाषाओं से मिलती है।

कुछ दिनों बाद जब बारिश आई तो बच्चों की ख़ुशी का ठिकाना नहीं रहा। अपने खेत को खरपतवार से बचाने के लिये बच्चों ने दिन-रात एक कर दिए। चीटियों और कीड़े-मकौड़ों से भरे खेत की छँटाई करना आसान नहीं मगर बच्चों को मालूम था कि यह मेहनत बेकार नहीं है। उन्हें पृथ्वी का महत्त्व समझाने की ज़रूरत नहीं थी।



Credit: diego_torres from Pixabay (free for commercial use). URL: https://pixabay.com/photos/water-raindrops-raining-wet-liquid-815271/. License: CC0.

अद्वैत देशपाण्डे ने अज़ीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी, बेंगलूरु से एमए शिक्षा की उपाधि प्राप्त की है। वर्तमान में सेवाग्राम के आनन्द निकेतन स्कूल में पढ़ा रहे हैं। उनसे adwaitsdeshpande@gmail.com पर सम्पर्क किया जा सकता है। **अनुवाद :** भाविनी पन्त